.. shrI lalitA tripurasundarI aparAdha kShamApana stotram ..

॥ श्रीललिता त्रिपुरसुन्दरी अपराधक्षमापणस्तोत्रम् ॥

Document Information

Text title : tripurasundarI aparAdha kShamApaNa stotram
File name : tripurasundarIaparAdhakShamApana.itx
Category : aparAdhakShamA
Location : doc_devii
Language : Sanskrit
Subject : hinduism/religion
Transliterated by : V. Gopalakrishnan vgk at igcar.ernet.in
Proofread by : V. Gopalakrishnan and his father who is a Sanskrit scholar.
Description-comments : A Hymn of worship to Goddess Tripurasundari
Latest update : March 8, 2005
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

August 3, 2016

sanskritdocuments.org

॥ श्रीललिता त्रिपुरसुन्दरी अपराध क्षमापणस्तोत्रम् ॥

कंजमनोहर पादचलन्मणि नूपुरहंस विराजिते
कंजभवादि सुरौघपरिष्टुत लोकविसृत्वर वैभवे ।
मंजुळवाङ्मय निर्जितकीर कुलेचलराज सुकन्यके
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ १॥

एणधरोज्वल फालतलोल्लस दैणमदाङ्क समन्विते
शोणपराग विचित्रित कन्दुक सुन्दरसुस्तन शोभिते ।
नीलपयोधर कालसुकुन्तल निर्जितभृङ्ग कदम्बके
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ २॥

ईतिविनाशिनि भीति निवारिणि दानवहन्त्रि दयापरे
शीतकराङ्कित रत्नविभूषित हेमकिरीट समन्विते ।
दीप्ततरायुध भण्डमहासुर गर्व निहन्त्रि पुरांबिके
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ३॥

लब्धवरेण जगत्त्रयमोहन दक्षलतांत महेषुणा
लब्धमनोहर सालविषण्ण सुदेहभुवापरि पूजिते ।
लंघितशासन दानव नाशन दक्षमहायुध राजिते
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ४॥

ह्रींपद भूषित पंचदशाक्षर षोडशवर्ण सुदेवते
ह्रीमतिहादि महामनुमंदिर रत्नविनिर्मित दीपिके ।
हस्तिवरानन दर्शितयुद्ध समादर साहसतोषिते
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ५॥

हस्तलसन्नव पुष्पसरेक्षु शरासन पाशमहांकुशे
हर्यजशम्भु महेश्वर पाद चतुष्टय मंच निवासिनि ।
हंसपदार्थ महेश्वरि योगि समूहसमादृत वैभवे
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ६॥

सर्वजगत्करणावन नाशन कर्त्रि कपालि मनोहरे
स्वच्छमृणाल मरालतुषार समानसुहार विभूषिते ।
सज्जनचित्त विहारिणि शंकरि दुर्जन नाशन तत्परे
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ७॥

कंजदळाक्षि निरंजनि कुंजर गामिनि मंजुळ भाषिते
कुंकुमपंक विलेपन शोभित देहलते त्रिपुरेश्वरि ।
दिव्यमतंग सुताधृतराज्य भरे करुणारस वारिधे

पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ८॥

हल्लकचम्पक पंकजकेतक पुष्पसुगंधित कुंतले
हाटक भूधर शृंगविनिर्मित सुंदर मंदिरवासिनि ।
हस्तिमुखाम्ब वराहमुखीधृत सैन्यभरे गिरिकन्यके
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ९॥

लक्ष्मणसोदर सादर पूजित पादयुगे वरदेशिवे
लोहमयादि बहून्नत साल निषण्ण बुधेश्वर सम्युते ।
लोलमदालस लोचन निर्जित नीलसरोज सुमालिके
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ १०॥

ह्रीमितिमंत्र महाजप सुस्थिर साधकमानस हंसिके
ह्रींपद शीतकरानन शोभित हेमलते वसुभास्वरे ।
हार्दतमोगुण नाशिनि पाश विमोचनि मोक्षसुखप्रदे
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ ११॥

सच्चिदभेद सुखामृतवर्षिणि तत्वमसीति सदादृते
सद्गुणशालिनि साधुसमर्चित पादयुगे परशाम्बवि ।
सर्वजगत् परिपालन दीक्षित बाहुलतायुग शोभिते
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ १२॥

कंबुगळे वर कुंदरदे रस रंजितपाद सरोरुहे
काममहेश्वर कामिनि कोमल कोकिल भाषिणि भैरवि ।
चिंतितसर्व मनोहर पूरण कल्पलते करुणार्णवे
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ १३॥

लस्तकशोभि करोज्वल कंकणकांति सुदीपित दिङ्मुखे
शस्ततर त्रिदशालय कार्य समादृत दिव्यतनुज्वले ।
कश्चतुरोभुवि देविपुरेशि भवानि तवस्तवने भवेत्
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ १४॥

ह्रींपदलांचित मंत्रपयोदधि मंथनजात परामृते
हव्यवहानिल भूयजमानक खेंदु दिवाकर रूपिणि ।
हर्यजरुद्र महेश्वर संस्तुत वैभवशालिनि सिद्धिदे
पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ १५॥

श्रीपुरवासिनि हस्तलसद्वर चामरवाक्कमलानुते
श्रीगुहपूर्व भवार्जित पुण्यफले भवमत्तविलासिनि ।
श्रीवशिनी विमलादि सदानत पादचलन्मणि नूपुरे

पालयहे ललितापरमेश्वरि मामपराधिनमंबिके ॥ १६ ॥

॥ इति श्रीललितात्रिपुरसुंदरी अपराध
क्षमापणस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by V. Gopalakrishnan vgk at igcar.ernet.in

.. shrI lalitA tripurasundarI aparAdha kShamApana stotram ..
was typeset on August 3, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*